साहस संगठन शक्ति

NEYU NATIONAL EDUCATED YOUTH UNION

राष्ट्रीय मुख्य समिति सदस्य

श्री राधे जाट
8889913464

श्री रंजीत किसानवंशी
9165919796

श्री हेमराज गुर्जर
9754653653

श्री सचिन यादव
7532901428

श्री मोहित खेरा
मध्यप्रदेश सचिव
9806883688

धर्मवीर विश्नोई
प्रदेश अध्यक्ष
शैक्षणिक प्रकोष्ठ (म.प्र.)
9753923563

सेवा में,

माननीय मुख्य सचिव महोदय,

मध्य प्रदेश शासन,

वल्लभ भवन, भोपाल (म.प्र.)

विषय : MPPSC भर्ती सत्याग्रह 2 के अंतर्गत मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रथम MPPSC सत्याग्रह में दिए गए आश्वासनों के क्रियान्वयन एवं 10 सूत्रीय न्यायसंगत मांगों के संबंध में ज्ञापन।

महोदय,

हम मध्यप्रदेश के हजारों प्रतियोगी अभ्यर्थी, जो वर्षों से MPPSC की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, आज शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आपके समक्ष अपनी पीड़ा और अपेक्षाएँ रखना चाहते हैं।

प्रथम MPPSC भर्ती सत्याग्रह के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने छात्रों को आश्वस्त किया था कि भर्तियों की संख्या बढ़ाई जाएगी, परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी व समयबद्ध बनाया जाएगा तथा युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। किंतु अत्यंत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि उन आश्वासनों पर आज तक ठोस एवं धरातलीय क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप छात्र पुनः MPPSC भर्ती सत्याग्रह 2.0 के लिए बाध्य हुए हैं।

लगातार घटती भर्तियाँ, पदों की भारी कमी, परीक्षा कैलेंडर में अनिश्चितता, साक्षात्कार व मूल्यांकन में अपारदर्शिता तथा आयोगीय निर्णयों में विलंब ने हजारों युवाओं को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से गहरे संकट में डाल दिया है।

इसी संदर्भ में हम MPPSC भर्ती सत्याग्रह 2.0 के माध्यम से आपके समक्ष निम्नलिखित 10 सूत्रीय न्यायसंगत मांगें प्रस्तुत कर रहे हैं—

MPPSC भर्ती सत्याग्रह – 10 सूत्रीय मांग-पत्र

1.राज्य सेवा परीक्षा 2026 में पदों की संख्या बढ़ाकर न्यूनतम 700 की जाए।

2.राज्य वन सेवा परीक्षा 2026 में न्यूनतम 100 पद सुनिश्चित किए जाएँ, विशेषकर UR, OBC, EWS वर्ग हेतु, जिनके लिए पिछले तीन वर्षों से शून्य पद घोषित हुए हैं।

3.सहायक प्राध्यापक भर्ती 2025 में PG अंतिम वर्ष के NET/SET Qualified विद्यार्थियों को भी सम्मिलित किया जाए (राजस्थान की तर्ज पर)।

4.राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2025 में कम से कम 400 पदों पर भर्ती सुनिश्चित की जाए तथा ADPO परीक्षा 2026 की अधिसूचना शीघ्र जारी करते हुए न्यूनतम 300 पद घोषित किए जाएँ।

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय मुख्य समिति सदस्य

श्री राधे जाट
8889913464

श्री रंजीत किसानवंशी
9165919796

श्री हेमराज गुर्जर
9754653653

श्री सचिन यादव
7532901428

श्री मोहित खेरा
मध्यप्रदेश सचिव
9806883688

धर्मवीर विश्नोई
प्रदेश अध्यक्ष
शैक्षणिक प्रकोष्ठ (म.प्र.)
9753923563

5.परीक्षाओं में UR वर्ग के पदों की संख्या बढ़ाई जाए तथा लंबित (Backlog) पदों पर शीघ्र भर्ती सुनिश्चित की जाए।

6.उत्तर-पुस्तिकाओं की कम से कम 87% प्रतियाँ अभ्यर्थियों को देखने का अवसर दिया जाए तथा 100% परिणाम पूर्ण पारदर्शिता के साथ जारी किए जाएँ।

7.अतिथि विद्वान 25% आरक्षण समाप्त कर सहायक प्राध्यापक भर्ती में पूर्ववत 20 बोनस अंक पुनः लागू किए जाएँ,चंद अतिथियों के कारण लाखों युवाओं के साथ अन्याय न करें

8.साक्षात्कार प्रणाली में सुधार किया जाए—

साक्षात्कार के अंक अधिकतम 100 किए जाएँ। माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार साक्षात्कार का वेटेज कुल अंकों का लगभग 12% से अधिक नहीं होना चाहिए, ताकि लिखित परीक्षा की मेरिट प्रभावित न हो। वर्तमान में 185 अंकों का साक्षात्कार असंतुलित है, जिसे घटाकर 100 किया जाना न्यायोचित होगा।

प्रश्न केवल सिलेबस एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं पर आधारित हों।

बोर्ड में महिला प्रतिनिधित्व तथा राजनीतिक प्रभाव से मुक्त योग्य विशेषज्ञों को शामिल किया जाए।

9.बिहार लोक सेवा आयोग की भाँति गुजरात मॉडल का "लॉटरी सिस्टम" (Random Allotment of Interview Board) MPPSC में भी लागू किया जाए।

10.संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया UPSC की तर्ज पर समयबद्ध की जाए—एक वर्ष में पूर्ण हो, तिथियों में अनावश्यक परिवर्तन न हों तथा गलत प्रश्नों की संख्या 1–2 से अधिक न हो।

पूर्व की भाँति अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र चयन का विकल्प प्रदान किया जाए।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने प्रथम MPPSC सत्याग्रह के समय युवाओं से यह वादा किया था कि उनकी मांगों को गंभीरता से लिया जाएगा और व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाएँगे। आज वही युवा उनके वचनों की याद दिलाने और न्याय की अपेक्षा लेकर पुनः आपके द्वार पर खड़े हैं।

हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं कि इन मांगों पर व्यक्तिगत हस्तक्षेप करते हुए संबंधित विभाग एवं आयोग को स्पष्ट निर्देश जारी करें, ताकि भर्तियों की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और न्यायसंगत बन सके तथा मध्यप्रदेश का युवा अपने ही प्रदेश में सम्मानपूर्वक भविष्य बना सके।

सादर निवेदन।

दिनांक: 01 फरवरी 2026

भवदीय

MPPSC के संघर्षरत अभ्यर्थी

Scanned with OKEN Scanner